सत्यमेव जयते

ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे- 411 001.

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान- डी ओ टी (020)
6122271 , 6123436
6123680 , 6127545
रेलवे - 5850
5870

छात्रावास- डी ओ टी (020)
6130579 , 6126816
6121669, रेलवे 5896
5897
5898

फैक्स : 020-6128677
ई-मेल :
mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष- 6 अंक- 24 अक्तूबर-दिसम्बर 2002

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन TO BEAM AS A BEACON OF KNOWLEDGE

इस अंक में

1) राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 77 वीं बैठक
2) मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार
3) रेल पथ मानक समिति की बैठक
4) संस्थान की सलाहकार समिति की बैठक
5) सतर्कता जागरूकता सप्ताह
6) शैक्षणिक फिल्मों का निर्माण
7) मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार
8) केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त का दौरा
9) वर्ष 2002 की समीक्षा
   9.1 महत्वपूर्ण घटनाएं
   9.2 अकादमिक उत्कृष्टता
   9.3 सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार
   9.4 संरचनागत उन्नति
   9.4.1 संस्थान
   9.4.2 छात्रावास
   9.5 प्रकाशन
   9.6 कार्य निष्पादन विवरण
   9.7 राजभाषा प्रगति
10) तिमाही में सम्पन्न/जारी पाठ्यक्रम
11) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
12) आपके पत्र



अपने सभी पाठकों, सहयोगियों, शुभचिन्तकों एवं उनके परिवार के सदस्यों को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं।

- ज्ञानदीप परिवार

1 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 77 वीं बैठक :

दि. 11.10.2002 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 77 वीं बैठक

संपादकीय .....

छटवें वर्ष का यह अंतिम अंक आपके कर कमलों में सुशोभित है। किसी भी वर्ष का अंत आत्मपरीक्षण एवं समीक्षा का अवसर होता है। केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थान अपना कार्य निष्पादन कैलेन्डर वर्ष के आधार पर प्रस्तुत करते हैं। यह 'ज्ञानदीप' का वार्षिक अंक है, जिसमें वर्ष भर की गतिविधियों तथा उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण समाहित है।

प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी, रोचक तथा व्यावहारिक बनाने के लिए हम सतत प्रयत्नशील रहते हैं। इसके लिए हम संरचनागत सुविधाओं में वृद्धि करने के साथ ही प्रशिक्षण के आधुनिकतम उपायों तथा साधनों को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल करते हैं। कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले विषयों को सुगमता से आत्मसात करने के लिए हम अपने प्रशिक्षु अधिकारियों को समय-समय पर अध्ययन दौरों के अंतर्गत कार्यक्षेत्र के अवलोकन के लिए ले जाते हैं।

'ज्ञानदीप' को अधिक उपयोगी तथा आकर्षक बनाए रखने में आपकी प्रतिक्रियाएं/सुझाव हमारी सहायता करते हैं। पत्र संवाद का सबसे अच्छा साधन है, इसका उपयोग करते रहिए। आपकी छोटी-छोटी कविताओं, कहानियों, तकनीकी लेखों आदि का स्वागत है।

भारतीय रेल पर नई क्षेत्रीय रेलों/मंडलों के गठन के परिप्रेक्ष्य में अपने पते में परिवर्तन की सूचना हमें अवश्य दें।
आगामी अंक में पुन: भेंट की आकांक्षा सहित।

संरक्षक
बुध प्रकाश
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
रमेश पिंजानी
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक– रेल पथ-2

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
राजेश जायसवाल
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, आर.जे.पाल

सम्पन्न हुई, जिसमें दि. 30-09-2002 को समाप्त तिमाही की हिंदी प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक तथा समिति के पदेन अध्यक्ष श्री बुध प्रकाश ने की। बैठक में उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री रमेश पिंजानी के अलावा मध्य रेलवे के मुंबई मंडल की राजभाषा अधिकारी श्रीमती उर्मिला देव भी उपस्थित थी। इस कागज रहित बैठक की सम्पूर्ण कार्यवाही का संचालन कंप्यूटर के माध्यम से किया गया।

2 मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार :

संस्थान में दि. 24 अक्तूबर को मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में सभी क्षेत्रीय रेलों सहित पूर्व मध्य रेलवे एवं उत्तर-पश्चिम रेलवे के प्रतिनिधियों तथा कार्यकारी निदेशक (रेल पथ) तथा कार्यकारी निदेशक (भू-तकनीकी इंजीनियरी), अनुसंधान, अभिकल्प तथा मानक संगठन, लखनऊ ने विचार-विमर्श में भाग लिया। सेमिनार में मेसर्स बॉश द्वारा एक प्रस्तुतिकरण भी दिया गया, जिसमें उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न उत्पादों एवं भारतीय रेल में उनके अनुप्रयोगों को दर्शाया गया।

3 रेल पथ मानक समिति की बैठक :

दि. 25 अक्तूबर को रेल पथ मानक समिति की 7 वीं असाधारण बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में श्री बी. राजाराम, प्रबंध निदेशक, कोंकण रेल ने "कोंकण रेल पर लंबी झलाईकृत रेलें" तथा श्री ब्रजेश कुमार, उप मुख्य इंजीनियर, दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने "डी. एम. आर. सी. पर लंबी झलाईकृत रेलें" विषय पर व्याख्यान दिया। बैठक में मेसर्स राही इंडस्ट्रीज, मुंबई द्वारा 'जीरो टो लोड फिटिंग' पर प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। इस बैठक में कार्यकारी निदेशक (पुल एवं संरचना) अ. अ. मा. सं., लखनऊ मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

4 संस्थान की सलाहकार समिति की बैठक :

संस्थान की सलाहकार समिति की बैठक दि. 26 अक्तूबर को श्री एम. एस. एकबोटे, अपर सदस्य, सिविल इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रशिक्षु अधिकारियों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्ष के पाठ्यक्रम कैलेन्डर में सुधार के प्रस्तावों पर विचार-विमर्श सम्पन्न हुआ, जिसे वर्ष 2003 के पाठ्यक्रम कैलेन्डर में समाहित कर लिया गया है।

5 सतर्कता जागरूकता सप्ताह :

दि. 31 अक्तूबर से प्रारंभ सप्ताह को 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर निदेशक द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई एवं केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एवं सतर्कता आयुक्त के संदेश का वाचन किया गया।

6 शैक्षणिक फिल्मों का निर्माण :

संस्थान ने 'पी. क्यू. आर. एस. वर्किंग' तथा 'टी. आर. टी. वर्किंग' पर 15-15 मिनट की अवधि की दो शैक्षणिक फिल्मों का निर्माण किया है। यह फिल्में बीटा-कैम फार्मेट में निर्मित हैं तथा प्रशिक्षु अधिकारियों के लाभार्थ इसकी प्रतियां वी. एच. एस. में बनाई गई हैं।

7 मुख्य सतर्कता अधिकारियों का सेमिनार :

संस्थान में दि. 26 तथा 27 दिसम्बर को क्षेत्रीय रेलों, उत्पादन इकाईयों तथा रेल मंत्रालय से सम्बद्ध सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों/वरिष्ठ उप महाप्रबंधकों का सेमिनार सम्पन्न हुआ। इस सेमिनार का उद्घाटन श्री शिव कुमार, सलाहकार (सतर्कता), रेलवे बोर्ड ने किया। इस सेमिनार में 31 अधिकारियों ने भाग लिया। वर्ष 2002 में आयोजित यह इस प्रकार का दूसरा सेमिनार था।



(चित्र में बाएं से श्री बुधप्रकाश, निदेशक, इरिसेन, श्री सूर्यपाल सिंह जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेलवे, श्री पी. शंकर, केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त तथा श्री शिवकुमार, सलाहकार (सतर्कता), रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय)

8 केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त तथा महाप्रबंधक, मध्य रेल का दौरा :

भारत सरकार के केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी. शंकर ने दि. 27 दिसम्बर को संस्थान का दौरा किया। आपने मुख्य सतर्कता अधिकारियों के सेमिनार के समापन सत्र को संबोधित किया तथा भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परिवीक्षार्थियों को मार्गदर्शन दिया। इस सम्मेलन में महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री सूर्यपाल सिंह जैन भी उपस्थित हुए।



(चित्र में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त श्री पी. शंकर संबोधित करते हुए।)

9 वर्ष 2002 की समीक्षा :

केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण संस्थान अपना कार्य निष्पादन कैलेन्डर वर्ष के आधार पर प्रस्तुत करते हैं। वर्ष 2002 का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:

9.1 महत्वपूर्ण घटनाएं :

- दि. 18 फरवरी को संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप समिति ने संस्थान का निरीक्षण किया। समिति ने संस्थान की आधिकारिक द्विभाषी वेब साइट की विशेष सराहना की।
- प्रशिक्षु अधिकारियों एवं संकाय सदस्यों के बीच बौद्धिक मंथन सत्र आयोजित किए गए, ताकि नए विचार एवं तकनीकें सामने आ सके।
- दि. 19 मार्च को 44 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 'रेल परिसम्पत्तियों के निर्माण एवं अनुरक्षण में अभिनव तकनीकें' विषय पर एक सेमिनार सम्पन्न हुआ तथा 'इंजीनियरिंग प्रोग्राम्स तथा मैनुअल्स' की सी. डी. का विमोचन हुआ।
- आइ. एस. ओ. 9001 गुणवत्ता प्रणाली की अपेक्षाओं के अनुपालन में द्वितीय वार्षिक निगरानी लेखा परीक्षण सम्पन्न हुआ, जिसमें सफलता प्राप्त होने पर संस्थान को एक और वर्ष के लिए आइ. एस. ओ. 9001 प्रमाण पत्र दिया गया।
- संकाय सदस्यों की निपुणता में वृद्धि के लिए एम. एस. एक्सेस तथा विजुअल बेसिक पर विशेष पाठ्यक्रम चलाए गए।
- दि. 25 मई को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री आई. आई. एम. एस. राणा ने संस्थान का दौरा किया। आपने संकाय सदस्यों के साथ बैठक में भाग लिया तथा परिवीक्षार्थियों को संबोधित किया।

9.2 अकादमिक उत्कृष्टता :

- जांच अधिकारियों के रूप में नामिका पर रखे गए सेवानिवृत्त रेल अधिकारियों के लिए दो-दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों के लिए एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के लिए रेल पथ तथा पुलों से संबंधित चयनित विषयों पर एक-एक सप्ताह के दो विशेष पाठ्यक्रम चलाए गए।
- 'मात्रात्मक सर्वेक्षण' पर इरकॉन के इंजीनियरों के लिए एक विशेष पाठ्यक्रम चलाया गया।
- नेशनल थर्मल पावर कार्पोरेशन के इंजीनियरों के लिए 'रेल पथ तथा पुल अनुरक्षण' पर दो सप्ताह का एक विशेष पाठ्यक्रम चलाया गया।
- वर्ष के दौरान चार सेमिनार आयोजित किए गए-- मुख्य पुल इंजीनियरों, मुख्य रेल पथ इंजीनियरों, मुख्य रेल पथ (मशीन) इंजीनियरों तथा मुख्य सामान्य इंजीनियरों का सेमिनार।
- अध्ययन दौरा/कार्यक्षेत्र का अवलोकन पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग है। वर्ष के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए अनेक अध्ययन दौरे आयोजित किए गए जैसे- कोंकण रेल पर रेल पथ का यांत्रिकीकृत अनुरक्षण तथा गिट्टी रहित रेल पथ, पुलों, गैंग कार्य संचालन तथा अनुरक्षण प्रणाली का अवलोकन, ऑफ ट्रैक टैम्पर तथा आर. एम.यू. वाहन का कार्य संचालन,दक्षिण-पूर्व रेलवे के झारसुगुडा में बोनम पुल का अवलोकन आदि।
- माह जून में रेलवे स्टॉफ कालेज, वडोदरा में सम्पन्न 'भारतीय रेल विज़न 2025' सेमिनार में संस्थान के निदेशक के अलावा संकाय अध्यक्ष, वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ) तथा प्राध्यापक (प्रशिक्षण) ने अपने पेपर्स प्रस्तुत किए।

9.3 सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार :

- कंप्यूटर नेटवर्किंग में उन्नत सुविधाएं प्रदान करने के लिए संस्थान के सम्पूर्ण नेटवर्क को 10 से बढ़ाकर 100 एम. बी. पी. एस. किया गया तथा इंटरनेट कनेक्शन की गति को 64 से बढ़ाकर 128 के. बी. पी. एस. किया गया है। इसके अतिरिक्त सुरक्षा के लिए फायरवॉल भी लगाया गया है।
- दो डाटा वीडियो प्रोजेक्टरों की खरीद की गई है, जिससे अब व्याख्यान अधिक प्रभावी हो गए हैं।
- संस्थान में 10 नए कंप्यूटरों की खरीद से, संस्थान के साथ ही साथ छात्रावास में भी सूचना प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण देने की सुविधाओं में उन्नति हुई है। कंप्यूटर केन्द्र की संरचनागत सुविधा में ए-1 आकार का एक आधुनिकतम प्लॉटर भी शामिल किया गया है, जिससे कंप्यूटर के माध्यम से आरेख बनाने का प्रशिक्षण देने में सहायता मिलेगी। ऑटोकैड 2002 के नवीनतम संस्करण के 10 लाइसेन्स भी खरीदे गए।
- वर्ष के दौरान संचार सुविधाओं के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई, जब संस्थान के टेलीफोनों पर महत्वपूर्ण स्थानों के लिए एस. टी. डी. सुविधा प्रदान की गई। इस नई सुविधा के माध्यम से रेलवे नेटवर्क द्वारा महत्वपूर्ण स्थानों के लिए संचार सुविधाओं में विचारणीय उन्नति के साथ बी. एस. एन. एल. फोन के प्रयोग में मितव्ययिता आई है।

9.4 संरचनागत उन्नति :

9.4.1 संस्थान :

- संस्थान ने एक डिजीटल प्लानीमीटर खरीदा है, जिसे केवल आरेख पर ट्रेस करने पर किसी भी जिग-जैग क्षेत्र का परिकलन किया जा सकता है। यह उपस्कर मात्रात्मक परिकलनों के लिए बहुत उपयोगी है।
- संस्थान के व्याख्यान कक्ष क्र. 3 एवं 4 की खिड़कियों में डबल ग्लास शटर्स लगाए गए हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण कम हो गया है। इससे व्याख्यान अधिक प्रभावी होंगे।
- 2 जी. पी. एस. (ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम) - मॉडल जी. पी. एस. 12 गार्मिन की खरीद की गई है। आधुनिक सर्वेक्षण के पाठ्यक्रम में जी. पी. एस. को शामिल किया गया है, जो प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ है।
- टोटल स्टेशन (ए. टी. एस- 102) पैंटेक्स मेक की खरीद की गई है, जिससे मात्रा सर्वेक्षण पर पाठ्यक्रम आयोजित करने में सहायता मिली है।

9.4.2 छात्रावास :

प्रशिक्षु अधिकारियों के लाभार्थ तथा उनकी शारीरिक सक्षमता तथा तंदुरुस्ती सुनिश्चित करने के लिए छात्रावास में खेलकूद की सुविधाओं में वृद्धि की गई है, साथ ही व्यायामशाला में एक व्यावसायिक प्रशिक्षक की सेवाएं उपलब्ध कराई गई है। प्रशिक्षु अधिकारियों ने इस सुविधा का स्वागत किया है तथा वे इसका भरपूर लाभ उठा रहे हैं।

9.5 प्रकाशन :

निम्नलिखित 4 पत्रिकाओं के त्रैमासिक अंक नियमित रूप से प्रकाशित किए जा रहे हैं-

(1) ट्रैक एंड स्ट्रक्चर्स डाइजेस्ट (2) परमनेंट वे बुलेटिन
(3) कंस्ट्रक्शन बुलेटिन (4) ज्ञानदीप

9.6 कार्य निष्पादन विवरण :

- वर्ष के दौरान कुल 918 अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर 94% प्रशिक्षण क्षमता का उपयोग किया गया। 974 अधिकारियों को प्रशिक्षण देने की योजना थी।

- वर्ष के दौरान कुल 158 पाठ्यक्रम सप्ताह आयोजित किए गए जबकि 154 सप्ताह की योजना थी।
- विशेष पाठ्यक्रमों का आयोजन कर निजी/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के 33 इंजीनियरों को प्रशिक्षण दिया गया।
- वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों के लिए 5 सेमिनार तथा 3 कार्यशालाएं आयोजित की गई।

9.7 राजभाषा प्रगति :

- संस्थान में तिमाही समाप्त होने के तुरंत बाद राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई तथा कार्यवृत्त तुरंत बोर्ड को भेजे गए। वर्ष की चारों बैठकें हो चुकी है। प्रत्येक बैठक को कागज रहित बनाकर कंप्यूटर के माध्यम से आयोजित किया गया है।
- हिंदी स्वयं शिक्षण के पैकेजों 'लीला प्रबोध' एवं 'लीला प्रवीण' की व्यवस्था की गई।
- संस्थान तथा छात्रावास में अलग-अलग हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं की संख्या में वृद्धि की गई।
- 10 नए द्विभाषी कंप्यूटर खरीदे गए।
- वेतन पर्ची को कंप्यूटर पर हिंदी में बनाया गया।
- कंप्यूटर नेटवर्क पर 'हिंदी हेल्प' शीर्षक से एक फोल्डर बनाया गया है, जिसमें राजभाषा संबंधी सांविधिक प्रावधानों के अलावा वार्षिक कार्यक्रम, तकनीकी विषयों का अनुवाद, टैम्पलेट्स आदि महत्वपूर्ण सूचनाएं समाहित हैं। राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के संबंध में जारी निदेश-अनुदेश भी इस फोल्डर में दिए जाते हैं। यह फोल्डर संस्थान के लिए बहुत उपयोगी साबित हुआ है।
- माह सितम्बर के दौरान हिंदी दिवस तथा राजभाषा सप्ताह मनाया गया।
- रेल मंत्रालय को भेजा जानेवाला पी. सी. डी. ओ. हिंदी में भी भेजा जा रहा है।
- वर्ष के दौरान अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लिए कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने का प्रशिक्षण दिया गया।

10 तिमाही में संपन्न / जारी पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	पाठ्यक्रम निदेशक	कुल अधिकारी
	से	तक			
208	09-09-02	25-10-02	भा. रे. इं. से. (परि.), 2000 परीक्षा (समूह-2) का चरण- 2 पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	19
213	30-09-02	13-12-02	समूह 'ख' अधिकारियों का समेकित पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ रेल पथ- 1	18
238	16-10-02	18-10-02	भा. रे. विद्युत इंजी. से. (परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	27
240	22-10-02	24-10-02	भा. रे. यांत्रिक इंजी. से. (परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	20
220	24-10-02	25-10-02	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार तथा रेल पथ मानक समिति की 7 वीं असाधारण बैठक	वरिष्ठ प्राध्यापक/ रेल पथ	16
249	11-11-02	23-11-02	एन. टी. पी. सी. के लिए रेल पथ तथा पुल अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	12
218	11-11-02	18-12-02	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य	07
241	12-11-02	14-11-02	भा. रे. याता. से. (परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	26
203	18-11-02	05-12-02	भा. रे. इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा, (समूह- 1) का कंप्यूटर पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ प्रशिक्षण	15
233	02-12-02	05-12-02	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	वरिष्ठ प्राध्यापक/रेल पथ	10
253	26-12-02	27-12-02	मु. सत. अधि./व. उ. म. प्र. का. सेमिनार (कार्यशाला)	वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल	31
254	30-12-02	01-01-03	भा. रे. कार्मिक से. (परि.) का परिचयात्मक पाठ्यक्रम	प्राध्यापक/ कंप्यूटर्स	09

11 निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम :

सत्र क्र.	दिनांक		विषय	अधिकारियों की कोटि
	से	तक		
307	10-02-03	21-02-03	भा. रे. इं. से. (परि.) 2000 परीक्षा (समूह 1) की तैनाती परीक्षा	भा. रे. इं. से. (परि.)
321	17-02-03	14-03-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
381	18-02-03	20-02-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. भं. से. (परि.)
341	24-02-03	28-02-03	लंबी झलाईकृत रेलों पर विशेष पाठ्यक्रम	व. वे. मा., क. वे. मा.
322	10-03-03	25-04-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (रेल पथ)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
331	24-03-03	28-03-03	वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों का पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	व. प्र. श्रे.
351	31-03-03	11-04-03	पूर्व प्रतिबलित निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम	पी.एस. सी. गर्डरों के अभिकल्प, निर्माण से संबंधित अधि.
391	02-04-03	03-04-03	1976 समूह के अधिकारियों के लिए स्थापना दिवस सेमिनार	व. प्र. श्रे. 1976 समूह
312	21-04-03	04-07-03	समेकित पाठ्यक्रम	समूह 'ख' अधिकारी
392	24-04-03	25-04-03	मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार	मु. पु. इंजी.
323	28-04-03	23-05-03	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम (पुल एवं सामान्य)	चयन श्रेणी, अ. प्र. श्रे.
342	28-04-03	02-05-03	कांटे एवं पारकों पर विशेष पाठ्यक्रम	चयन श्रेणी, अ.प्र. श्रे., व. वे. मा.
383	28-04-03	30-04-03	अन्य विभागों के परिवीक्षार्थियों के लिए परिचयात्मक पाठ्यक्रम	भा. रे. वि. इं. से. (परि.)
393	08-05-03	09-05-03	मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार	मु. रे. प. इंजी.
303	12-05-03	30-05-03	भा. रे. इं. से. (परि.) 2001 परीक्षा का कंप्यूटर पाठ्यक्रम (समूह-1)	भा. रे. इं. से. (परि.)

12 आपके पत्र :

त्रैमासिक सूचना पत्र 'ज्ञानदीप' का अंक- 22, अप्रैल-जून- 2002 मिला। चार पेज में जो विविधतापूर्ण जानकारी देने का प्रयास किया गया है, वह सराहनीय है। तकनीकी समाचारों के अलावा आप 'सृजन' के माध्यम से साहित्य को भी प्रश्रय दे रहे हैं, यह प्रसन्नता की बात है।

पत्रिका को देखकर पता चला कि संस्थान में बहुत से कोर्सेस चलाए जा रहे हैं। भारत के कोने-कोने से पुणे आने वाले प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए यदि इस क्षेत्र के पर्यटन स्थलों की जानकारी यदा-कदा दी जाए, तो पत्रिका की उपादेयता और भी बढ़ जाएगी।

शुभकामनाओं सहित-

- सुहास लोहकरे,
जनसम्पर्क अधिकारी,
मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय,
मध्य रेलवे, पुणे.

'ज्ञानदीप' पत्रिका का जुलाई-सितम्बर, 2002 अंक प्राप्त हुआ। इस अंक में प्रकाशित सामग्री/रचनाएं अत्यन्त उच्च स्तर की है। आशा है कि भविष्य में भी इसी प्रकार स्तरीय रचनाएं प्रकाशित होती रहेंगी। कृपया मेरा साधुवाद स्वीकार करें। श्री विपिन पवार की कविता 'तुम' के लिए विशेष बधाई। नव वर्ष की मंगल-कामनाओं सहित-

- आलोक कुमार त्रिपाठी,
एम/46-बी, न्यू रेलवे कालोनी,
ऐशबाग, मंगल महल के सामने,
लखनऊ (उ. प्र.) 226004.

रमेश पिंजानी, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेल पथ-2, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स एच. एम. टाइपसेटर्स, सदाशिव पेठ, पुणे 411030 फोन 4472844 द्वारा मुद्रित.